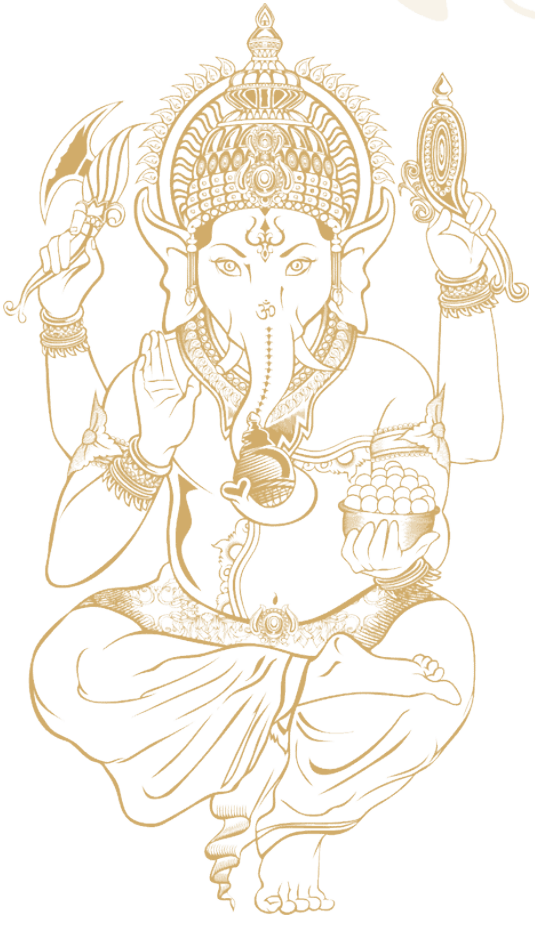

Mr.monu kulasi

Ms.monika Beri

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120245702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/10/1996	जन्म तिथि	20/01/1996
बुधवार	दिन	शनिवार
घंटे 19:30:00	जन्म समय	10:49:00 घंटे
घटी 32:42:59	जन्म समय(घटी)	08:51:07 घटी
India	देश	India
Jhajjar	स्थान	Beri
28:36:00 उत्तर	अक्षांश	28:44:00 उत्तर
76:42:00 पूर्व	रेखांश	76:37:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:12	स्थानिक संस्कार	-00:23:32 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:24:48	सूर्योदय	07:17:08
17:52:23	सूर्यास्त	17:51:49
23:48:45	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:15

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 14वर्ष 6मा 21दि	01:27:56	वृष	लग्न	मीन	13:41:30	**सूर्य 3वर्ष 11मा 25दि**
शुक्र	29:40:21	कन्या	सूर्य	मक	05:37:14	**राहु**
08/05/2018	18:34:55	वृश्चि	चंद्र	मक	01:08:23	**14/01/2017**
08/05/2038	28:24:12	कर्क	मंगल	मक	15:26:19	**15/01/2035**
शुक्र 07/09/2021	18:22:18	कन्या	बुध व	मक	02:33:41	राहु 28/09/2019
सूर्य 07/09/2022	16:48:20	धनु	गुरु	धनु	09:57:14	गुरु 20/02/2022
चन्द्र 08/05/2024	20:45:02	सिंह	शुक्र	कुंभ	12:19:16	शनि 27/12/2024
मंगल 08/07/2025	08:39:47	मीन व	शनि	कुंभ	27:08:04	बुध 17/07/2027
राहु 08/07/2028	14:07:41	कन्या व	राहु व	कन्या	27:09:04	केतु 03/08/2028
गुरु 09/03/2031	14:07:41	मीन व	केतु व	मीन	27:09:04	शुक्र 04/08/2031
शनि 08/05/2034	06:50:52	मक	हर्ष	मक	06:39:40	सूर्य 28/06/2032
बुध 08/03/2037	01:11:30	मक	नेप	मक	01:35:57	चन्द्र 27/12/2033
केतु 08/05/2038	07:42:39	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	08:42:45	मंगल 15/01/2035

लग्न-चलित

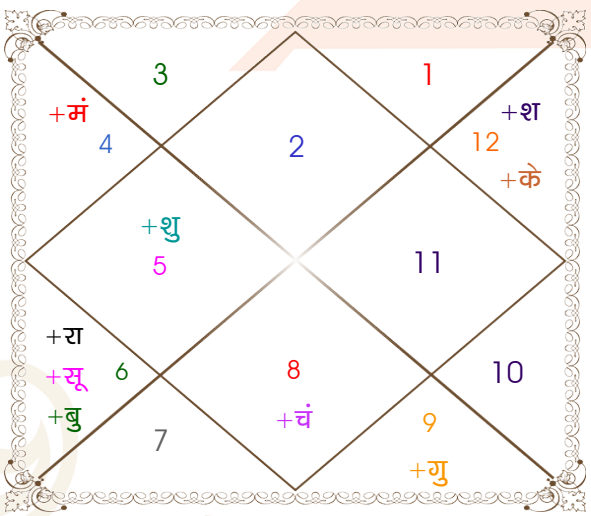

लग्न-चलित

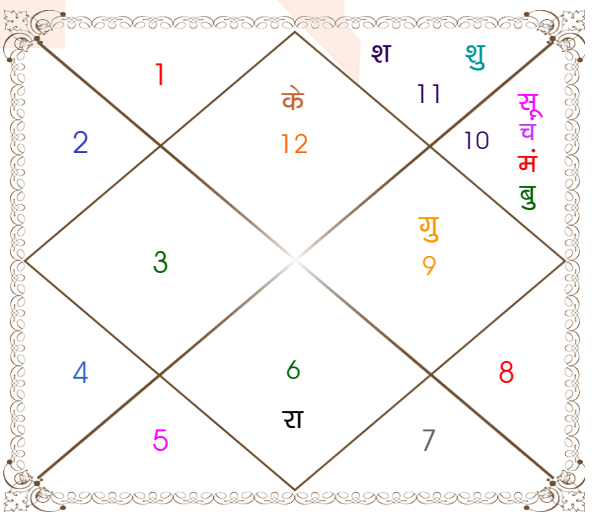

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

डतण्उवदन ।नसेंप का वर्ग सर्प है तथा डेण्उवदपां ठमतप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्उवदन ।नसेंप और डेण्उवदपां ठमतप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्उवदन ।नसेंप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

डेण्उवदपां ठमतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डतण्उवदन ।नसेंप तथा डेण्उवदपां ठमतप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।